



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पादक पत्र का नाम
दैर्घ्य भूमि

दिनांक
११-११-२३

पृष्ठ संख्या
११

कॉलम
२-६

हक्की में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम का आयोजन आयुर्वेद अपनाने से निल सकता है बीमारियों से छुटकारा: प्रो. काम्बोज

हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय में आयुर्वेद
दिवस के उपलक्ष्य पर
कार्यक्रम का आयोजन

हरिगृह न्यूज़ || हिसार

आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि जीवन को सही ढंग से जीने का संपूर्ण ज्ञान है। स्वस्थ शरीर के बिना हम जीवन में कुछ नहीं कर सकते हैं। इसलिए बेहतर है कि हम अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए दिनचर्या व खानपान में आवश्यक बदलाव करें। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कही। वे विश्वविद्यालय के औषधीय सुंगठित एवं भूमतावान अनुभाग द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस दैरण मुख्य वक्ता के रूप में नागरिक अस्पताल के आयुष विभाग के चिकित्सक डॉ. सुखबीर वर्मा भी उपस्थित रहे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में सभी को दैनिक जीवन में आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपनाने के



हिसार। प्रमात्रशील किसानों को सम्मानित करते मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हमारी रसोईघर एक प्रकार की चिकित्साप्रति

नुच्छ वक्ता डॉ. सुखबीर वर्मा ने आयुर्वेद विषय, उचित गूत सिद्धांतों व प्रयोगिकताओं को उठाई देखे जाएकर उसे जीवन में अप्लाई पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारी रसोईघर एक प्रकार की चिकित्साप्रति है, जहाँ सर्वे व आसानी से उन जागरूकियों को प्राप्त हो जाती है, जो टगारे जाकर और स्वस्थ दोगों को प्राप्तित करती है। मुख्य वक्ता ने क्रोटोवकाल में आयुर्वेद की अद्भुत पद्धति बताकर उससे छोड़े वाले फायदे भी बताए।

साथ-साथ दिनचर्या व खानपान में बदलाव करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अपने संपूर्ण जीवन को सही तरीके से जीने व उसे सुशाश्वल बनाने के लिए जिस ज्ञान को जरूरत होती है वह आयुर्वेद बताती है।

कृषि औषधीय फसलों से कराया रुद्ध

कार्यक्रम के दैरण कैपस स्कूल की

छात्रा रिहिं व राधिका ने आयुर्वेद विषय में तुलसी, नीम, अस्थांधा, एलोविरा, लहसुन, अदरक, सतावर, मुलहट्टी, गिलोय सहित अन्य कृषि औषधीय फसलों के बारे में व इनसे होने वाले फायदों से सभी को रूबरू करवाया। साथ ही विश्वविद्यालय के औषधीय सुंगठित एवं भूमतावान अनुभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. गोविंद आर्य ने रोचक तरीके से कविता के

प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग, मृदूश्य संरक्षण हकार्फ के अध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम के आयोजक समिति डॉ. पवन कुमार ने बताया कि मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कृषि क्षेत्र ने औषधीय पौधों के उत्पादन व इसके प्रयोग-प्रसार ने अहम मुद्दाजनक अवय बनाए वाले प्रगतिशील किसान व वैद्य जिनके रुद्धीर, बलदेव शर्मा व झेंद्रराज सहित विश्वविद्यालय के मृदूश्य संरक्षण हकार्फ के कर्मचारी राजपाल, लर्करवाटिका से द्वारका प्रसाद को सम्मानित किया। साथ ही वायोटेवलोंजी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. सुखीर शर्मा, ठोटा प्रयोग डॉ. अशोक गोदारा व गैर-सिद्धांत कर्मचारी यशिवर के प्रयाण क्रिकेट टांड को स्वरूप बिज्ञ दिया। माध्यम से आयुर्वेद की खबियों की सुंदर ढंग से प्रस्तुति दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पजाल कैसरी	११-११-२३	२	५-१

आयुर्वेद अपनाने व संतुलित आहार का सेवन करने से मिल सकता है बीमारियों से छुटकारा : प्रो. काम्बोज

हिसार, 10 नवंबर (ल्यूरो) : आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि जीवन को सही ढंग से जीने का संपूर्ण ज्ञान है। स्वस्थ शरीर के बिना हम जीवन में कुछ नहीं कर सकते हैं। इसलिए बेहतर है कि हम अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए दिनचर्या व खानपान में आवश्यक बदलाव करें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के औषधीय सुंगाधित एवं क्षमतावान अनुभाग द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में नागरिक अस्पताल के आयुष विभाग के चिकित्सक डॉ. सुखबीर वर्मा भी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता डॉ. बी.आर.

काम्बोज ने अपने संबोधन में सभी को दैनिक जीवन में आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपनाने के साथ-साथ दिनचर्या व खानपान में बदलाव करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की उत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई है, जोकि आयु+वेद से मिलकर बना है। आयु का मतलब लंबी आयु व वेद का मतलब विज्ञान है।

अर्थात् आयुर्वेद का शास्त्रिक अर्थ जीवन का विज्ञान है। उन्होंने कहा कि अपने संपूर्ण जीवन को सही तरीके से जीने व उसे खुशहाल बनाने के लिए जिस ज्ञान की जरूरत होती है वह आयुर्वेद बताती है। उन्होंने आधुनिक युग में व्यक्ति की विगड़ती दिनचर्या व असंतुलित आहार को मुख्य कारण बताकर चिंता भी व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हमें बीमारी होने की मूलभूत कारणों को बताने के साथ-साथ समग्र

रूप से उसको जड़ से खत्म करता है। उन्होंने आयुर्वेद विषय के प्रति जागरूक करने के लिए पठन-पाठन की सामग्री में इसे शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय स्तर पर पाठ्यक्रमों में आयुर्वेद विषय पर विस्तार पूर्वक अध्याय शामिल करने चाहिए ताकि वर्तमान व भविष्य की पीढ़ियों को रोगमुक्त करने व उन्हें जिंदगी जीने की सही कला से अवगत कराने के लिए आयुर्वेद विषय के उद्देश्यों को तर्कपूर्ण तरीके से समझा जा सके। उन्होंने विश्वविद्यालय के औषधीय सुंगाधित एवं क्षमतावान अनुभाग द्वारा इजाद किए गए उन्नत औषधीय पौधों का जिक्र करते हुए संबोधित वैज्ञानिकों को सराहा। साथ ही भविष्य में भी इसी प्रकार शोध करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य वक्ता डॉ. सुखबीर वर्मा ने आयुर्वेद विषय, उसके मूल

सिद्धांतों व प्राथमिकताओं को सही ढंग से जानकर उसे जीवन में अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि करीब 5 हजार वर्ष पूर्व आयुर्वेद को चरक संहिता, सुश्रुत संहिता व अष्टांग हृदय नामक ग्रंथ में अलग-अलग तरीके से परिभाषित किया, जिसमें पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि एवं आकाश तत्वों का व्यक्ति पर प्रभाव डालने को अहम विषय बताया।

मुख्य वक्ता ने कहा कि आयुर्वेद में मुख्यत वात दोष, पित दोष व कफ दोष होते हैं, जोकि व्यक्ति की शारीरिक सर्वचना पर आधारित नहोकर उसकी शारीरिक प्रवृत्तियों जिनमें भोजन का चुनाव व पाचन पर आधारित होते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी रसोईघर एक प्रकार की चिकित्साप्रत है, जहां सर्वते व आसानी से हमें उन सामग्रियों की प्राप्त हो जाती है, जो हमारे जीवन और स्वस्थ दोनों को प्रभावित करती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पादक पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	११-११-२३	२	३-५

कार्यक्रम • हरियाणा कृषि विवि में आयुर्वेद दिवस मनाया

आयुर्वेद न सिर्फ चिकित्सा पद्धति बल्कि जीने का संपूर्ण ज्ञान : वीसी

प्रशासक न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कामबोज ने कहा कि आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि जीवन को सही ढंग से जीने का संपूर्ण ज्ञान है। स्वस्थ शरीर के बिना हम जीवन में कुछ नहीं कर सकते हैं। इसलिए बहतर है कि हम अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए दिनचर्यां व खानपान में बदलाव करें। वे विवि के औषधीय सुगंधित एवं क्षमतावान अनुभाग द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कलेज में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम में बहुर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।



मुख्य वक्ता ने आयुर्वेद पद्धति के फायदे गिनाए

मुख्य वक्ता डॉ. सुखबीर बर्मा ने कहा कि आयुर्वेद में मुख्यतः वात दोष, पित दोष व कफ दोष होते हैं जो व्यक्ति की शारीरिक संरचना पर आधारित न होकर उसकी शारीरिक प्रवृत्तियों जिनमें भोजन का चुनाव व पाचन पर आधारित होते हैं। हमारे स्वोर्ध्वर में सस्ते व आसानी से हमें उन सामग्रियों की प्राप्त हो जाती है, जो हमारे जीवन और स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित करती है। मुख्य वक्ता ने कोरोनाकाल में आयुर्वेद को अम पद्धति बताकर उससे होने वाले फायदे भी गिनाए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नैन-५ जानूरज	११-११-२३	५	६-८

आयुर्वेद जीवन सही से जीने का संपूर्ण ज्ञान : कुलपति

जागरण संवाददाता, हिसार : आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि जीवन को सही ढंग से जीने का संपूर्ण ज्ञान है। स्वस्थ शरीर के बिना हम जीवन में कुछ नहीं कर सकते हैं। इसलिए बेहतर है कि हम अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए दिनचर्या व खानपान में आवश्यक बदलाव करें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के औषधीय सुगंधित एवं क्षमतावान अनुभाग द्वारा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्य बक्ता के रूप में नामरिक अस्पताल के आयुष विभाग के चिकित्सक डा. सुखबीर वर्मा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दैरान



मुख्यातिथि प्रो. बीआर काम्बोज प्रगतिशील किसान को सम्मानित करते हुए।

कैंपस स्कूल की छात्रा रिद्दि व अवसर पर सहायक वैज्ञानिक डा. राधिका ने आयुर्वेद विषय में तुलसी, राजेश आदि, सचिव डा. पवन नीम, अश्वगंधा, एलौंविरा, लहसुन, कुमार, रघुबीर, बलदेव शर्मा, डा. अदरक, सतावर, मुलहट्टी, गिलोय सहित अन्य कृषि औषधीय फसलों के बारे में व इनसे होने वाले फायदों से सभी को रूबरू करवाया। इस श्वेता आदि मौजूद थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उभर उजाता	११. ११. २३	५	४४

आयोजन

आयुर्वेद अपनाने और संतुलित आहार खाने से मिलेगा बीमारियों से छुटकारा

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि जीवन को सही ढंग से जीने का संपूर्ण ज्ञान है। स्वस्थ शरीर के बिना हम जीवन में कुछ नहीं कर सकते हैं। इसलिए बेहतर है कि हम अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए दिनचर्या व खानपान में आवश्यक बदलाव करें। आयुर्वेद अपनाने और संतुलित आहार का सेवन करने से बीमारियों से छुटकारा मिलता है।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रौ. बीआर कांडोज ने कही। वह विश्वविद्यालय के मौलिक

विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में बौद्ध मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हमें बीमारी होने की मूलभूत कारणों को बताने के पाथ-साथ समग्र रूप से उसको जड़ से खत्म करता है। कुलपति ने कहा कि स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय स्तर पर पाठ्यक्रमों में आयुर्वेद विषय पर विस्तारपूर्वक अध्याय शामिल करने चाहिए ताकि वर्तमान व भवित्व की पीढ़ियों को रोगामुक्त करने व उन्हें ज़िंदगी जीने की सही कला से अवगत कराने के लिए आयुर्वेद विषय के उद्देश्यों को

दिनचर्या और खानपान में आवश्यक बदलाव करें। प्रौ. बीआर कांडोज



हिसार में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रौ. बीआर कांडोज। शोत्: संख्या

तर्कपूर्ण तरीके से समझा जा सके। मुख्य जहाँ सस्ते व आसानी से हमें उन वक्ता डॉ. सुखबीर वर्धा ने कहा कि हमारी समयियों की प्राप्त हो जाती है, जो हमारे रसोईघर एक प्रकार की चिकित्सालय है, जीवन और स्वस्थ दोनों को प्रभावित

करती है। कैप्पस स्कूल की छात्रा रिद्धि व राधिका ने औषधीय फसलों से वाले फायदों से सभी को झबरू करवाया।

कार्यक्रम में औषधीय पौधों को उगाने व इसके प्रचार-प्रसार में अहम भूमिका निभाने वाले प्रगतिशील किसान रघुबीर, बलदेव शर्मा व छोटूराम सहित विश्वविद्यालय के भू-दश्य सरचना इकाई के कर्मचारी रामपाल, हबल बाटिका से द्वारका प्रसाद की समर्पित किया।

इस अवसर पर डॉ. राजेश आर्य, डॉ. पवन कुमार, डॉ. सुशीर शर्मा, होटा प्रधान डॉ. अशोक गोदारा व गैर-शिक्षक कर्मचारी यूनियन के प्रधान दिनेश गांड आदि भौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	10.11.2023	--	--

आयुर्वेद अपनाने व संतुलित आहार का सेवन करने से मिल सकता है बीमारियों से छुटकारा : प्रो. काम्बोज



एयर बोर्ड न्यूज़

हिसार। आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि जीवन को बढ़ावा देने में जीवन का संरूपी ज्ञान है। स्वस्थ रहने के लिए हम जीवन में कुछ नहीं कर सकते हैं। इसलिए, बेहतर है कि हम अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए दिनचरी व रुचिरपान में आयुर्वेद व्यवस्था करें। ऐसे विश्वार जीविती जगता रिंड हरियाणा मुख्य विश्वविद्यालय के मुख्यपति प्रो. डॉ. वी. आर. काम्बोज ने कहा। वे विश्वविद्यालय के औपचार्य सुनिधि एवं ज्ञानात्मक अनुभाग द्वारा मौजूदक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में असुरक्षित विद्यार्थी के उत्तराधि पर आयोजित कार्यक्रम में भागीर मुख्यालयीन संस्कृत कर रहे थे। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में नागरिक अस्पताल के आयुष विभाग के विद्युतक डॉ. मुख्यपति वक्ता थे।

मुख्यपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में सभी को दैविक जीवन में आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपनाने के साथ-साथ दिनचरी व रुचिरपान में बदलाव करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की उपर्युक्त संस्कृत भाषा से हुई है, जोकि आयुर्वेद से विलक्षण है। आयु का मरुत्व लेकि आयु व वेद का मरुत्व विज्ञान है। अर्थात् आयुर्वेद का शास्त्रिक एवं जीवन का विज्ञान है। उन्होंने कहा कि अपने संस्कृत जीवन को सही उरोंके से जीने से उसे खुशहाल बनाने के लिए जिस बात की ज़रूरत होती है वह आयुर्वेद घटाती है। उन्होंने आयुर्वेद मुख्य एवं व्यक्तिगत की विवरकरता दी।

संतुलित आहार को मुख्य कारण बदलकर वित्त भी बदलती है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हमें बीमारी होने की मूलभूत कारणों को बदलने के साथ-साथ समय रुप से उसको जड़ से बदल करता है। उन्होंने आयुर्वेद विषय के प्रति जागरूक जनते के लिए एक-एक वर्ष में इसी शास्त्रीय सम्बोधन की सम्पादनी में इसे जारीकरने करने पर जोग दिया। उन्होंने कहा कि एक विषय के संबंध में जोग करने के लिए आयुर्वेद-वाचन की सम्पादनी में इसे जारीकरने करने पर जोग दिया। उन्होंने आयुर्वेद के विषय के संबंध में जोग करने की सीखतों की भावतीम आयुर्वेदिन जीवन की संख्या देते हुए कहा कि यह एक ऐसी विषय है, जिसमें हम शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ जीवन की सभी विधियों से जीने की सीखतों की सीखतों हैं। उन्होंने आयुर्वेद के विषय प्रारूपों किसी विषय के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विषयक्रम के द्वारा जैवन वैज्ञानिक सूक्ष्म वस्तु जैविक विद्या व विज्ञान में कुशली, नीम, अदरक, सलादर, मुलाहटी, रिसलीय सौंफिय अथवा जूरी औपचार्य पासलों के बारे में वह इनसे होने वाले फायदों से सभी को जानकार बताया। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियमिका, पृष्ठृत्य संरचना इवाई के अध्यक्ष एवं वार्षिकप के अधीक्षक सचिवर एवं विभाग के काम करने वालाया कि मुख्यपति प्रो. डॉ. वी.आर. काम्बोज ने योग्य शेज़र में औपचार्य पीठों को उठाने व इसके प्रशार-प्रसार में अद्य भूमिका अद्य करने वाले विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय के पृष्ठृत्य संरचना इवाई के कामकारी रामपाल, हर्षलक्षणिका से द्वारका प्रसाद को सम्मानित किया। साथ ही वायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. मुख्यपति रमा, होटा एवं डॉ. अर्पेक गोदार व गैर-शिक्षक कर्मचारी गृहिनियों के प्रश्न दिनेस गढ़ की समृद्धि किए दिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,

हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज़	10.11.2023	--	--

आयुर्वेद अपनाने व संतुलित आहार का सेवन करने से मिल सकता है बीमारियों से छुटकारा : प्रो. बी.आर. काम्बोज

सिटीपल्स न्यूज़, हिसार। आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि जीवन को सही ढंग से जीने का संपूर्ण ज्ञान है। स्वस्थ जीवन के लिए हम जीवन में कुछ नई कर सकते हैं। इसलिए ऐहतर है कि हम अपने शारीर को स्वस्थ रखने के लिए दिनचर्यों व खानपान में आधारशास्त्र का लाभान्वय करें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कलापति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। ये विश्वविद्यालय के अधिकारीय सुनिधित्त एवं धर्मतात्त्वान अनुभाग द्वारा भौतिक विज्ञान एवं यानविक विश्वविद्यालय में आयुर्वेद दिवस के उपस्थित पर आयोजित कार्यक्रम में बताए मुख्यतात्त्विक विवादित कर रहे थे। इस दैरान मुख्य वक्ता के रूप में नागरिक असंघातल के आयुर्विज्ञान के विकित्सक डॉ. सुखबीर थम्मी और उपस्थित थे। मुख्यतात्त्विक प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने स्वोच्छन में सभी को देखक जीवन में आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपनाने के साथ-साथ दिनचर्यों व खानपान में बदलाव करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद बी उत्पन्न संस्कृत भाषा से हुई है, जोकि आयुर्वेद से मिलकर बना है। आयु वा महसूल लंबी आयु व बेद का महसूल विज्ञान है। अर्थात् आयुर्वेद का शास्त्रिक, अर्थ जीवन का विज्ञान है। उन्होंने कहा कि अपने संपूर्ण जीवन को सही तरीके से जीने वे उसे खुलासा बनाने के लिए जिस जगह भी जरूरत होती है वह आयुर्वेद बताती है। उन्होंने आधुनिक युग में व्यक्ति को विज्ञानी दिनचर्यों व असंतुलित आहार को मुख्य कारण बताकर चिंता भी बताक की।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हमें बीमारी होने की मूलभूत कारणों को बताने के साथ-साथ रामग्रह रूप से उसको जड़ से खत्म करता है। उन्होंने आयुर्वेद विषय के प्रति जागरूक करने के लिए पठन-पठन की सामरता में इसे शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय स्तर पर भारतीयों में आयुर्वेद विषय पर विस्तृत पृष्ठीक अध्याय शामिल करने चाहिए ताकि बढ़तमान व भविष्य वे पीछे बोगमुक्त करने व उन्हें जितानी जीने की सही कला से अवश्य कराने के लिए आयुर्वेद विषय के उद्देश्यों को तकरीबन तरीके से समझा जा सके। उन्होंने विश्वविद्यालय के औपचार्य सुनिधित्त एवं धर्मतात्त्वान अनुभाग द्वारा इजाए किए गए उत्तर औपचार्य पीठों का जिक्र करने हुए मध्यमिति वैज्ञानिकों को समझा। साथ ही भावान्वय में भी हस्ती प्रकार शोध करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता डॉ. सुखबीर थम्मी ने आयुर्वेद विषय, उसके मुख्य सिद्धांतों व प्राथमिकताओं को सही ढंग से जानकर उसे जीवन में अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि करीब 5 हजार वर्ष पूर्व आयुर्वेद वे भवक संक्षिप्त, मुख्यतः संक्षिप्त व असुग हृदय नामक ग्रन्थ में अलग-अलग तरीके से परिभाषित किया, जिसमें पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि एवं आकाश तत्त्वों का व्यक्ति पर प्रभाव डालने की अहम विषय बताया। मुख्य वक्ता ने कहा कि आयुर्वेद में मूल्यसं-वात दोष, पित दोष व कफ दोष होते हैं, जोकि व्यक्ति को शारीरिक घरेवान पर आधारित न होकर उसकी शारीरिक प्रवृत्तियों जिनमें भोजन का चुनाव व पाचन पर आधारित होते हैं। उन्होंने कहा कि शमारी रसोइंशर एक प्रकार जो चिकित्साप्रति है, जाय मस्ते व आसानी से हमें उन सामग्रियों को पास हो जाती है, जो हमारे जीवन और स्वस्थ दोनों को प्रभावित करती है। मुख्य वक्ता ने ज्वरोनाकरण में आयुर्वेद को अहम पद्धति बताकर उससे होने वाले प्रभावों भी गिनाए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	10.11.2023	--	--

आयुर्वेद अपनाने व संतुलित आहार का सेवन करने से मिल सकता है बीमारियों से छुटकारा : प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि जीवन में सभी गुण से जीने का संपूर्ण ज्ञान है। स्वस्थ जीवन के बिना हम जीवन में कुछ नहीं कर सकते हैं। इसलिए बहलर हैं कि हम अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए दिनचर्या व खालियान में आवश्यक बदलाव करें। ये विचार चौथे चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय के औषधीय सुधारित पर्व क्षमतावान अनुभाग द्वारा गौलिक विश्वापन एवं मालविकी महाविद्यालय भूमि आयुर्वेद दिवस के ड्यूलिय पर आयोजित कार्यक्रम में चौथे मुख्यातीय संविधित कर रहे थे। इस दीरान मुख्य वक्ता के रूप में नारीक अस्पताल के आयुर विभाग के चिकित्सक डॉ. सुखवीर वर्मा भी उपस्थित रहे। मुख्यातीय प्रो. वी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में सभी को दैनिक जीवन में आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपनाने के साथ-साथ दिनचर्या व खालियान में बदलाव करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद वो दूरीन संरक्षित धारा से हुई है, जोकि आयुर्वेद वेद से मिलकर बना है। आयुर का मतलब लंबी आयु वेद का मतलब विश्वापन है। अर्थात् आयुर्वेद का शास्त्रिक अर्थ जीवन का विद्वान् है। उन्होंने कहा कि अपने संस्कृत जीवन की सभी तरीके से जीने व दूसे शुगालाल बनाने के लिए जिस ज्ञान की जरूरत होती है वह आयुर्वेद बताता है। उन्होंने जापुनिक युग में व्यक्ति यो विग्रहीती दिनचर्या व असंतुलित आहार को मुख्य कारण बताकर चिंता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हमें आमतौर पर कृति की मूलभूत कारणों की बताने के साथ-साथ समग्र रूप से उसको जड़ दे रखत करता है। उन्होंने आयुर्वेद विषय के प्रति जागरूक करने के लिए पठन-पाठ की सामग्री में ऐसे शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के औषधीय सुधारित पर्व क्षमतावान अनुभाग द्वारा इजाव दिया गए उक्त औषधीय पौधों का विज्ञ करते हुए संविधित वैज्ञानिकों को समाझा। साथ ही भविष्य में भी इसी प्रकार जीव करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता डॉ. सुखवीर वर्मा ने आयुर्वेद विषय, उसके मूल सिद्धांतों व प्राथमिकताओं को सभी दोनों से जाकर उसे जीवन में अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि करीब 5 हजार चर्प यूव आयुर्वेद की जड़क स्थिता, मुखूरत स्थिता व अष्टांग हृदय नामक ग्रन्थ में अलग-अलग तरीके से परिभासित किया, जिसमें पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि एवं आकाश हत्यों का व्यक्ति पर प्रभाव दालने वाले अहम विषय बताया। उन्होंने कहा कि हमारे स्वार्थीष्वर प्रकार की चिकित्साप्रति है, जहाँ सर्वे व आमतौर से हमें उन सामग्रियों की प्राप्त हो जाती है जो हमारे जीवन और स्वस्थ दोनों को प्रशांति करती है। मुख्य वक्ता ने कोरोनाकाल में आयुर्वेद वी अहम पद्धति बताकर उससे होने वाले कार्यदं भी नियाम। उन्होंने आयुर्वेद को भारतीय आयुर्वेदान की संस्कृत देते हुए, कहा कि यह एक ऐसी विधा है जिसमें हम जीव का स्वस्थ रखने के साथ-साथ जीवन को सभी तरीके से जीने की जीली को भी सीखते हैं। उन्होंने आयुर्वेद के विभिन्न प्राकृतिक जिनाने कल्प चिकित्सा व पंचकर्म विषय के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम के द्यूरान कैपर स्वृकृ वी लाजा चिंहि व राधिका ने आयुर्वेद विषय में तुलसी, गोम, अशग्रन्था, पलोचिरा, लहसुन, अदायक, सहजाद, मुहाफू, गिरोय सहित अन्य कृषि औषधीय फसलों के बारे में व इनसे होने वाले प्राप्तियों से सभी को संबोध करताया। साथ ही विश्वविद्यालय के औषधीय सुधारित पर्व क्षमतावान अनुभाग के महाप्रकाश डॉ. गुलजा आर्य ने गोचर की से कविता के माध्यम से आयुर्वेद की गृह्यताओं की सुंदर दृश्य में प्रस्तुति दी। विश्वविद्यालय के पर्येक्षा निर्भयक, भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष पर्व कार्यक्रम के आध्यक्ष पर्व कार्यक्रम के आयुर्वेद संचालक विकासन व वैद्य किनमें गुब्बार, बलदेव शर्मा व छोटूराम सहित विश्वविद्यालय के भू-दृश्य संरचना इकाई के कर्मचारी रामपाल, हर्वलवाहिका से द्वारका प्रसाद को सम्मानित किया। साथ ही आयोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. सुधीर शर्मा, होटा प्रधान डॉ. अशोक गोदाया व गैर-विद्यक कर्मचारी यूनियन के प्रधान दिवेश राठोको मृति चिन्ह दिया। कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. पवन कुमार ने भव्यवाद शापन प्रस्तुत किया। साथ ही जंबूलाल छात्रा श्रेष्ठा ने किया।

